27/05/2016 (Eve)

This question paper contains **4** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **64**

Unique Paper Code : **205481** **F**

Name of the Paper : आधुनिक भारतीय भाषा
हिन्दी–क (**CP 4.5**)

Name of the Course : **B.Com. (Prog.)**

Semester : **IV**

समय : **3** घंटे पूर्णांक : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) गूँज उठी रंगशाला इस सौंदर्य की
विश्व था मनाता महोत्सव अभिमान का
आज विजयी था रूप
और साम्राज्य था नृशंस क्रूरताओं का
रूप माधुरी की कृपा कोर को निरखता
जिसमें मदोद्धत कटाक्ष की अरुणिमा
व्यंग्य करती थी विश्वभर के अनुराग पर
अवलेहना से अनुग्रह थे बिखरते।

P.T.O.

अथवा

बेच दिया

विश्व इंद्रजाल में सत्य कहते हैं जिसे;

उसी मानवता के आत्म सम्मान को।

जीवन में आता है परखने का

जिसे कोई एक क्षण,

लोभ; लालसा या भय, क्रोध, प्रतिशोध के

उग्र कोलाहल में,

जिसकी पुकार सुनाई ही नहीं पड़ती। 5

(ख) जब मैं यहाँ शुरू-शुरू में आया तो उन सब चीजों की तलाश थी जिन्हें दिलो-जान से चाहता था...सरसों के खेतों से भी मुझे इश्क है.....तो भाई मैंने लाहौर आते ही कई लोगों से पूछा था कि क्या सरसों यहाँ भी वैसी ही फूलती है जैसी हिन्दोस्तान में फूलती थी। मैंने ये भी पूछा था कि यहाँ सावन की झड़ी लगती है.....बरसात के दिनों की शामें क्या मोर की झंकार से गूँजती हैं ? बसंत में आसमान का रंग कैसा होता है ?

अथवा

माई घर में रहती कहाँ हैं। तड़के रावी में नहाने चली जाती हैं। उसके बाद कभी सुबह अकील साहब के यहाँ बड़ियाँ डाल रही हैं, तो कभी नफ़ीसा को अस्पताल ले जा रही हैं, कभी बेगम आफ़ताब के लड़के की तीमारदारी कर रही हैं तो शाम को सकीना को अचार-डालना सिखा रही हैं.....रात में दस बजे लौटती हैं। हम लोगों से मुलाकात हो तो कैसे हो। 5

(ग) धर्म ने नीतिशास्त्र को जन्म नहीं दिया है, वरन् इसके विपरीत नीतिशास्त्र ने धर्म को जन्म दिया है। समाज को जीवित रखने के लिए समाज द्वारा निर्धारित नियमों को ही नीतिशास्त्र कहते हैं, और इस नीतिशास्त्र का आधार तर्क है। धर्म का आधार विश्वास है और विश्वास के बंधन से प्रत्येक मनुष्य को बाँधकर उससे अपने नियमों का पालन कराना ही समाज के लिए हितकर है। इसीलिए ऐसी भी परिस्थितियाँ आ सकती हैं, जब धर्म के विरुद्ध चलना समाज के लिए कल्याणकारक हो जाता है और धीरे-धीरे धर्म का रूप बदल जाता है।

अथवा

जो जन्म लेता है वह मरता है; यदि कोई अमर है तो अजन्मा भी है। जहाँ सृष्टि है, वहाँ प्रलय भी रहेगा। आत्मा अजन्मा है इसलिए अमर है, पर प्रेम अजन्मा नहीं है। किसी व्यक्ति से प्रेम होता है, तो उस स्थान पर प्रेम जन्म लेता है। संबंध होना ही उस संबंध का जन्म लेना है। वह संबंध अनंत नहीं है, कभी-न-कभी उस संबंध का अन्त होगा ही। प्रेम और वासना में भेद है, केवल इतना कि वासना पागलपन है, जो क्षणिक है और इसलिए वासना पागलपन के साथ ही दूर हो जाती है; और प्रेम गंभीर है। 5

2. 'प्रलय की छाया' के आधार पर कमला के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। 10

अथवा

'प्रलय की छाया' की कथावस्तु का विवेचन कीजिए।

3. 'जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नइ' नाटक का प्रतिपाद्य लिखिए। 10

अथवा

'जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नइ' नाटक की भाषा पर विचार प्रकट कीजिए।

4. उपन्यास के तत्त्वों के आधार पर 'चित्रलेखा' की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

बीजगुप्त के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

5. आज के समय में 'कलयुग' फिल्म की सार्थकता पर विचार प्रस्तुत कीजिए। 10

अथवा

'कलयुग' फिल्म की समीक्षा कीजिए।

6. 'कलयुग' फिल्म के किसी एक पात्र के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। 5

अथवा

'कलयुग' फिल्म की भाषा की विशेषताएँ लिखिए।

7. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 15

(क) सगुण काव्यधारा की विशेषताएँ लिखिए।

(ख) निर्गुण काव्यधारा की विशेषताएँ लिखिए।

(ग) रीतिकाव्य की सामान्य प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

(घ) द्विवेदीयुगीन कविता की सामान्य प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।